

देवीकामा श्रीदल्लभ  
जगर साधिष्ठ  
सुरार्थिल दार्शन

ନିରେତ୍ତା  
ହିନ୍ଦୁରେଖିଳ ଲୋକୁଁ  
ପାଇଁବଳ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ

दस्तावेज़ दिनांक : 5 अगस्त 2005

9

दिल्ली: अनुदान राज-30 लेखारीर्षक 2210 के अन्तर्गत डिस्ट्रिक्ट (स्टेट) ने होम्योपैथिक डिक्रिलालय की स्थापना की घोषणा की है।

उल्लेख संख्या ३०-२५४/होन्सो/बाट/2005-००/६३६/ दिनांक 22-६-२००५ का सन्दर्भ प्रहण करें। उपर्युक्त विवरण प्रमुख ताबिद वित्त विभाग वै पत्र सं०-४२२/ XXVII (1) 2005 दिनांक 30.3.2005 तथा संख्या-५२७ ७०/ XXVII (1) 2005 दिनांक 28.4.2005 के —। सन्दर्भ ने नुस्खे में कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष २००५-०६ के जापान-बदल की नारे खीलून होने वे तत्त्वादी लिनेपोर्ट अधिनियम 2005 परिता होने के फलस्वरूप (जापान-बदल नियम) विभाग की योजनाओं की फिराबदन हेतु अनुदान रुप-३० के अन्तर्गत दूनक सद-वेतन, भैंगार्ड गति, बदल गति तथा अनुदान के रूप में सरकारी संदर्भों तथा वेर सरकारी संदर्भों के देश एवं बजनबद्द मर्दों में वित्तीय वर्ष २००५-०६ के जापान-बदल विभाग, प्रियांग, नोरन अद्व, प्रियोल, टेलीफोन तथा अन्य आपराधिक व्यवों को दूनक सुनिश्चित त्रिये जाने हेतु वित्तीय वर्ष २००५-०६ में उपरोक्त एवं बदल वर्दों ने दिनांक ०१ अप्रैल, २००५ से दिनांक ३०.४.२००५ तक वित्तीय खीलूनियों का समिलित करते हुए) जापानान्तर वक्ष में रुप ७,13,०,००-०० (रु० सात साँझ रिंड (एकार नाम) भी बनायी को सम्बन्ध ने उल्लिखित विवरण दुनार इस प्रतिक्रिया के साथ सहर्ष खीलूनियों का दूनक करते हुए) कि आहरण के प्रत्यावर्ती अैविल्य सहित इसके खीलूनियों की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे।

१— वह अधिकारी ने लिया जाये कि उसके रहीकृत छन्दाली को किसी रूपी नद पर नहीं बर्ताया जायेगा बल्कि उसके निम्नांतर के अन्तर्गत अन्य राजन ओषधिकारी की वित्तीनियत हो।

२— अतिरिक्त अनुदान की प्रत्यारा में अनाधिकृत व्यय के लिया जाय और इस प्रकार बालू मिल्चीव वित्तीनियत अनुदान के लिये न घोषी जाय।

३— आदटनों के अनुसार आहरित व्यय के मिल्चा निम्नोंसे दिये तक राजन को अधिकारीक उपलब्ध कराया जाय।

४— अनुदान के अनुसार भी जारी किये गये राजनादेश अद्वा भविष्य में उत्तरों हाँन दाले शासनादेशों का दिया रख सी चालन किया जायेगा।

५— व्यय जानवरी जो भी मिल कोषधिकारी द्वारा अनुदान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें लेतारिधक के अनु-अनु अनुदान रखद्या गी उल्लेख किया जाय।

६— अधिकारी अवधिकारी की जिलायार कॉट रखिन्ह जिलों एवं राजन को दीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना दिया जाय।

अनुदान विधेय

अधीय  
 ( अनिताम श्रीविरतन )  
 अपर राधिक

प्रधा ए विनायक राधेय

प्रधानमि निम्नलिखा को सुननार्द एवं आदरयक कार्यमाही हेतु भेजित —

- १— न्युलेक्ट्रोन, उत्तराधिक, नाला दरानून।
- २— नियो राजिन, नान मुख नन्नी जौ।
- ३— उत्तर जिलायिकारी उत्तराधिक।
- ४— उत्तर कोणकीकारी उत्तराधिक।
- ५— निया अनुदान-२/ नियोजन विभाग/ एनआईसी।
- ६— अनु नन्हेल।

आशा री.  
 ( आमकार सिंह )  
 अनु राधिक

दूनराजी छपार लप्ते में  
लालनामिरा अधिकारी

१०-१०-००

१०१-लालनामिरा लालनामिरा  
१०२-लालनामिरा लालनामिरा  
१०३-लालनामिरा लालनामिरा  
१०४-लालनामिरा लालनामिरा

१०५-लालनामिरा लालनामिरा लालनामिरा

०१-लालनामिरा	300
०२-लालनामिरा लालनामिरा	90
०३-लालनामिरा लालनामिरा	20
०४-लालनामिरा लालनामिरा	15
०५-लालनामिरा लालनामिरा	33
०६-लालनामिरा लालनामिरा	12
०७-लालनामिरा लालनामिरा	2
०८-लालनामिरा लालनामिरा	10
०९-लालनामिरा लालनामिरा	20
१०-लालनामिरा लालनामिरा	5
११-लालनामिरा लालनामिरा	15
१२-लालनामिरा लालनामिरा	30
१३-लालनामिरा लालनामिरा	10
१४-लालनामिरा लालनामिरा	1
१५-लालनामिरा लालनामिरा	150
१६-लालनामिरा लालनामिरा	713

(७५ लालनामिरा लालनामिरा लालनामिरा)

१०८  
अधिकारी  
लालनामिरा

प्रेषक,

अमिताम श्रीदास्ताद,  
अपर संघिव,  
चत्ताराचल शासन।

संवा मे,

निदेशक,  
होम्योपैथिक सेवाद  
चत्ताराचल देहरादून।

दिक्केत्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: ५ अगस्त 2005

विषय: अनुदान स0-31 लेखाशीर्षक 2210 के अन्तर्गत जोशीमठ ने होम्योपैथिक डिफित्सालय की स्थापना के संबंध में।

महोदय,

अपने पत्र स0-254/होम्यो/पजट/2005-06/696/ दिनांक 22-6-2005 का सन्दर्भ ग्रहण करें। उपर्युक्त विषयक प्रमुख संघिव वित्त प्रिभाग के पत्र स0-422/ XXVII (1) 2005 दिनांक 30.3.2005 तथा संख्या-527 ४०/ XXVII (1) 2005 दिनांक 26.4.2005 वो सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश दुःख है कि दित्तीय वर्ष 2005-06 को आय-व्ययक की नांगे रखीकृत होने वे तात्पर्यमयी विनियोग अधिनियम 2005 परिवर्त होने के फलस्वरूप (होम्योपैथिक सेवाएँ) विभाग की योजनाओं की कियान्वयन हेतु अनुदान स0-31 के अन्तर्गत मानक नन्द-यैतन, महगाई भरते, अन्य भल्ते तथा अनुदान के रूप में सरकारी सेवकों तथा गैर सरकारी सदकों के बेतन एवं बचनबद्ध मदों में मजदूरी, विवृत देव जलकर किराया, पेंशन औषधि, योजन व्यय, एट्रोल, टेलीफोन तथा इन्हें आवश्यक व्ययों को गुगतान सुनिश्चित किए जाने हेतु दित्तीय वर्ष 2005-06 में उपरोक्त बचनबद्ध मदों में दिनांक 01 अप्रैल, 2005 से दिनांक 30.4.2005 तक दित्तीय रखीकृतियों का समिलित कराए हुए) आयोजनागत पक्ष ने ₹0 4,80,000-00 (रु० चार लाख अर्टी हजार मात्र) की धनराशि को संलग्नक में उत्सुकित विवरणानुसार इस प्रतिवन्ध के साथ सर्व रखीकृति प्रदान करते हैं कि आहरण के प्रत्याप पूर्ण औषित्य सहित शासन की रखीकृति हेतु प्रस्तुत किए जायें।

2- रखीकृति धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल रखीकृति चाहू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा तक किये जाने का दायित्व आपका होगा और किसी भी दस्ता में इस धनराशि का उपयोग चाहू वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त रखीकृति धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियनों/शासनादेशों के तहत निम्नलिखित के अधीन किया जायेगा।

3- योजनाओं की विवेकन मदों पर व्यय शासन के दर्दनाक नियनों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सज्जम अधिकारी की पूर्व सहनति/रखीकृति जल्दी जारी की जायेगी।

वह ऐनिशियल कर लिया जाए कि उक्त स्टील बनाये को किसी ऐसी नद पर या नदी के ज़िर में उसका बहाव नियमित अन्य रथन अधिकारी की पूरी विवरणात्मक रूपीय हो।

उनिशियल अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत चाव न किया जाय और इस प्रकार पालु वित्तीय विवरणों का एक दृष्टि के रिपोर्ट न उत्तीर्ण जाए।

उल्लंगन के अनुसार अहरित वय के विवरण नियमित तरह शासन को आवश्यक उपलब्ध करा दें।

मिशनायरी के समन्वय में जारी किये गये राजनीतिक अवकाश नियम में जारी होन वाले शासनादेशों का विवरण भी विवरण दर्शाएं।

दूसरी समन्वयी लोगों ने विह कोषाविकारी को अनुसार हेतु प्रस्तुत किये जाए उनके लैज़ारिंग को अनुसार सख्ती की उत्तोष दिया जाए।

प्रौद्योगिकी धनराजी की जिलाकार चौट राजधिनों जिलों रुद राजन को दीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाएगा अनुसार दिया जाए।

उल्लंगन

भवदीप,

( अनिताभ अंतरास्तव )

अपर राजिय

दिनांक दर्शय

उल्लंगन अनुसार जो रूपरक्ष सह आवश्यक कार्यपाली हेतु रेपित —

उल्लंगन, उल्लंगन, नज़रा दैरहून।

गियो सविद, गाड़ मुज्जा मज्जी जी।

राजस गिलाविकारी उल्लंगन।

जानस कोषाविकारी उल्लंगन।

उल्लंगन-2/गिलाविकार/एग्जाइसी।

दर्ता फाईल।

आज्ञा भै,

( अनिताभ सिंह )

अनु राजिय

२८

अनुदान तं०-30

बनराशी हजार रुपये में

आयोजनागृह

आयोजनेत्तर

लखिंशीपक

2210-यिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य

04-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायै

796-जनजाति उप क्षेत्र योजना

03-जांशीमठ में होन्योपथिक यिकित्सालय की रक्षणा

01-वेतन	200
03-महगाई भत्ता	60
04-यात्रा व्यय	5
05-रथानान्तरण यात्रा व्यय	20
06-अन्य भत्ता	22
08-कार्यालय व्यय	5
09-विद्युत देय	1
11-लेखन सामग्री और कार्बो की छपाई	10
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	20
17-किराया उपशुल्क और ऊरु रवानिय	1
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और सेवन	10
39-आपद्य तथा रक्षारन	20
42-अन्य व्यय	5
45-अदकाश यात्रा व्यय	1
48-महगाई वेतन	100
पोर्ट-	480

(८० चार लाख अस्त्री हजार मात्र)

१४  
( अनेताम् श्रीरास्तव )  
उपर संदिव।